माँ कर सोल्हा श्रृंगार मैं उत्सव मनाऊंगी

हाथ में राचणी मेहँदी मैं आज रचाऊ गी,
माँ कर सोल्हा श्रृंगार मैं उत्सव मनाऊंगी,

घर का कोना कोना मैंने आज सजवाया,
दादी को जो लागे सूंदर वो हार बनवाया,
आजाओ दादी मैया मैं ज्योत जगाउंगी,
माँ कर सोल्हा श्रृंगार मैं तुझे रिजाऊंगी

मेरी ख़ुशी का माया सागर झलक गया,
बन गई मैं बड़भागान तेरा साथ मिल गया,
जी भर के बधाई बांटो खुशियां लुटाऊ गी,
माँ कर सोल्हा श्रृंगार मैं तुझे सजाऊंगी,

सब कुछ तुम्ही से दादी है इस संसार में,
जो कुछ भी मैंने पाया सब तेरे प्यार में,
गोपाल तेरे गुण गाये मैं रास रचाऊ गी,
माँ कर सोल्हा श्रृंगार मैं तुझे रिजाऊंगी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15827/title/maa-kar-solha-shingar-main-utsav-mnaaugi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |